पर्यावरण विभाग

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

'सी' विंग, छटा तल, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली–110 002

अतारांकित प्रश्न संख्या : 305
दिनांक : 10 अगस्त 2018
प्रश्नकर्ता का नाम : श्री पंकज पुष्कर

क्या पर्यावरण मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगें कि:

कमांक संख्या	प्रश्न	उत्तर
क–	दिल्ली में जल प्रदूषण के सभी कारक (फैक्टर्स) तथा जिम्मेदार एजेंसियों के बारे में विभाग की अद्यतन रिपोर्ट से अवगत कराएं ;	दिल्ली में जल प्रदूषण के निम्न कारक हैं:– 1. यमुना नदी में गिरने वाले नाले। 2. औद्योगिक इकाइयों के अवजल का रिसाव। 3. रिहाईशी इलाकों से आने वाले अनुपचारित/आंशिक रूप से उपचारित मल का रिसाव। 4. अनाधिकृत मानव बस्ती। 5. पशु पालन और उससे उत्पन्न अपशिष्ट का रिसाव। 6. ग्रीष्म ऋतु में यमुना नदी में पानी का कम बहाव। 7. जनसंख्या वृद्वि से सीवरेज संरचना पर दबाव। 8. अत्यधिक पेय जल का उपयोग इससे सम्बंधित जिम्मेदार एजेंसियॉ इस प्रकार हैं:– 1. दिल्ली जल बोर्ड (DJB) 2. दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) 3. दिल्ली नगर निगम (दक्षिण, उत्तर, पूर्वी) (MCD) 4. सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग (I&FCD) 5. डी.एस.आई.आई.डी.सी. (DSIIDC) 6. दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समीति (DPCC)
ख–	दिल्ली के तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र से होकर यमुना में मिलने वाले नजफगढ़ ड्रेन में जल प्रदूषण की स्थिति क्या है; और	नजफगढ़ ड्रेन की पानी गुणवत्ता की जून माह की रिपोर्ट के अनुसार पी.एच. (pH) 7.5, टी.एस.एस (TSS) 80 mg/l, सी.ओ. डी. (COD) 148 mg/l तथा बी.ओ.डी. (BOD) 42 mg/l है।
ग–	उक्त नजफगढ़ ड्रेन में जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये 1 मार्च 2013 से 30 जून 2018 तक समय समय पर क्या प्रयास किए गए हैं;	दिल्ली जल बोर्ड से प्राप्त सूचना अनुसार, यमुना नदी में सीवर के पानी के बहाव को रोकने के लिए निम्नलिखित कार्य किये जा रहे हैं :– 1. दिल्ली जल बोर्ड नजफगढ़ ड्रेन, सप्लीमेंट्री एवं शाहदरा नालों के साथ साथ इंटरसेप्टर सीवर लाईन डालने का कार्य प्रगति पर है, लगभग 54 कि. मी. लाईन डाली जानी है जोकि दूषित पानी को नजदीक अवजल शोधन संयंत्र तक ले जाएगी, लगभग 92 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, 240 एम. जी. डी. में से लगभग 90.9 एम.जी.डी. पानी को अवजल शोधन

चेतना
Dr. CHETNA ANAND
Scientist
Department of Environment
Govt. of NCT of Delhi

जारी है

		संयंत्र तक पंहुचा दिया गया है। 2. यमुना एक्शन प्लान –III के तहत दिल्ली जल बोर्ड 209 मिलियन गैलन दैनिक प्लांट की कुल क्षमता के साथ रिठाला, कोण्डली और ओखला में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की पुर्ननिर्माण तथा इसे जुड़े हुए ट्रंक सीवरों जोकि लगभग 37 कि.मी. में है, के पुर्ननिर्माण का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। 3. दिल्ली में लगभग 1669 अनधिकृत कालोनियों में से 265 कालोनियों में आंतरिक सीवर व्यवस्था कर दी गयी है और मास्टर प्लान –2031 के अनुसार लगभग 340 कालोनियों में कार्य प्रगति पर है। 4. दिल्ली जल बोर्ड द्वारा 70 एम.जी.डी. अवजल शोधन संयंत्र कॉरोनेशन पिलर का कार्य प्रगति पर है। विकेन्द्रीकृत अवजल शोधन संयंत्र बनाने का कार्य भी प्रगति पर है जिसमें दूर दराज के इलाकों में सीवर को इकट्ठा करके उसका शोधन किया जायेगा। 5. लगभग 80 कि.मी. पुरानी पैरीफिरियल सीवर लाईन के पुर्नउत्थान का कार्य प्रगति पर है।

चेतना
Dr. CHETNA ANAND
Scientist
Department of Environment
Govt. of NCT of Delhi